भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 363
28/11/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप आपदा प्रबंधन

363. श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तेजी से बढ़ते शहरीकरण की चुनौतियों का सामना करने और विकसित हो रहे शहरों को भूकंप के झटके सहन करने योग्य बनाने की योजना बनाई है;
(ख) बड़े भूकंप की स्थिति में आपदा राहत और प्रतिक्रिया योजनाओं के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या सरकार के पास उन्नत भूकंप पूर्वानुमान और निगरानी प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश करने की कोई योजना है; और
(घ) यदि हां, तो भूकंप संभावित क्षेत्रों में समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन और तैयारियों को बढ़ावा देने के प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख) जी हां। भूकंपीय ज़ोनिंग मानचित्र और अद्यतन भवन संहिता यह सुनिश्चित करती है कि शहरी क्षेत्रों, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में में नए निर्माण भूकंप-रोधी मानकों का पालन करें। भारतीय मानक ब्यूरो, आवास और शहरी विकास निगम आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय इस दिशा में काम करते हैं। बड़े भूकंप की स्थिति में आपदा राहत और प्रतिक्रिया योजनाओं के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

- राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF): NDRF एक विशेष एजेंसी है जो भूकंप के दौरान खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित है तथा इसे भूकंपीय घटनाओं के बाद तैनात किया जाता है।
- राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA): प्रत्येक राज्य में एक SDMA होता है जो आपदा प्रबंधन योजनाओं को बनाने और लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है जिसमें विशिष्ट भूकंप प्रावधान और स्थानीय प्रतिक्रिया प्रयासों का समन्वय शामिल होता है।
- आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएँ: सरकार ने व्यापक आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएँ विकसित की हैं जो आपदा के दौरान विभिन्न एजेंसियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को रेखांकित करती हैं, जिससे समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है।
- सामुदायिक प्रशिक्षण और अभ्यास: नियमित प्रशिक्षण और सिमुलेशन अभ्यास समुदायों को भूकंप परिदृश्यों के लिए तैयार करते हैं, स्थानीय क्षमता निर्माण और जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

(ग) आज तक, दुनिया में कहीं भी भूकंप की घटना का सटीक पूर्वानुमान करने के लिए कोई सिद्ध वैज्ञानिक तकनीक उपलब्ध नहीं है, जिसमें स्थान, समय और परिमाण के लिए उचित सटीकता हो। तथापि, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) देश में और उसके आसपास भूकंपों का पता लगाने के लिए एक राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क बनाए रखता है। भूकंप के मापदंडों को राज्य और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों सहित हितधारकों को प्रसारित किया जाता है।

(घ) समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन प्रयास निम्नलिखित हैं;

- समुदायों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थानीय समुदायों को आपदा प्रतिक्रिया, प्राथमिक चिकित्सा और तैयारी करने के उपायों में प्रशिक्षित करने की पहल का कार्यान्वयन किया जाता है जिससे स्थानीय लचीलापन बढ़ता है।

- जागरूकता अभियान: सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम नागरिकों को भूकंप के जोखिमों और तैयारी की रणनीतियों के बारे में शिक्षित करते हैं, जिसमें आपातकालीन योजनाओं और किटों का महत्व भी शामिल है।

- स्थानीय शासन की भागीदारी: स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को आपदा प्रबंधन योजनाओं को विकसित करने और लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि तैयारी के प्रयासों में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

- संसाधन केंद्र: सामुदायिक संसाधन केंद्र स्थापित करने से आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सामग्री मिलती है।

- अभ्यास और सिमुलेशन: निवासियों को आपातकालीन प्रक्रियाओं से परिचित कराने के लिए स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में नियमित भूकंप से जुड़े अभ्यास और सिमुलेशन आयोजित किए जाते हैं।

******